

CLASS - VII (सामान्य ज्ञान)

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का परिचय

[Indian Space Research Organisation]

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)

Indian Space Research Organisation

भारत का राष्ट्रीय अंतरिक्ष संस्थान है, जिसका मुख्यालय बंगलूर में है। इस संस्थान में लगभग १५,००० कर्मचारी एवं वैज्ञानिक कार्यरत हैं। इस संस्थान का मुख्य कार्य भारत के लिए अंतरिक्ष सम्बन्धी तकनीक उपलब्ध करवाना है। अंतरिक्ष कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यों में उपग्रहों, प्रक्षेपक यानों, परिक्षापी रॉकेटों और भू-प्रणालियों का विकास शामिल है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की स्थापना १५ अगस्त १९६९ ई. में की गयी थी। जिसका मुख्यालय बंगलूर (कर्नाटक) में है। तब इसका नाम अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए भारतीय राष्ट्रीय समिति (INCOSPAR) था। इस संस्था का आदर्श वाक्य - मानव जाति की सेवा में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी

भारत का पहला उपग्रह अर्थसद १९ अक्टूबर १९७५ को सोवियत संघ रूस द्वारा अंतरिक्ष में छोड़ा गया था। इसका नाम महान गणितज्ञ आर्यभट्ट के नाम पर रखा गया था। इसने ५ दिन बाद काम

करना बन्द कर दिया था। लेकिन यह आपने आप में भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।

7 जून 1979 को भारत का दूसरा उपग्रह भास्कर जी 445 किलो का था। जो पृथ्वी की कक्षा में ल्यापित किया गया।

~~मार्च~~ 1980 में सौहार्दी उपग्रह पहला भारत निर्मित प्रक्षेपण यान एसएलवी-3 बन गया जिसे कक्षा में ल्यापित किया गया।

ISRO ने बाद में दो मुख्य शॉकेट विकसित किए। ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान उपग्रहों को लॉन्च करने के लिए ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान पीएसएलवी (PSLV) और पृथ्वी कक्षा में उपग्रहों को रखने के लिए ध्रुवीय कक्षाओं और भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान जीएसएलवी (GSLV) भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान। ये शॉकेट कई संचार उपग्रहों और पृथ्वी अवलोकन यान और (IRNSS) तरह सैटेलाइट नेविगेशन System तैयार किया उपग्रह का शुभारंभ किया।

जनवरी 2014 में ISRO सफलपूर्वक जीएसए-14 का एक GSLV-D-5 प्रक्षेपण में एक एपेक्षी क्रायोजेनिक इंजन का प्रयोग किया गया।

ISRO के वर्तमान निदेशक Dr. K. Sivan हैं, आज भारत के न सिर्फ अपने अंतरिक्ष संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम है बल्कि दुनिया के बहुत से देशों को अपनी अंतरिक्ष क्षमता से व्यापारिक और स्तरों पर सहयोग कर रहा है।

ISRO ने 22 Oct 2014 को चन्द्रयान -1 भेजा जिसने चन्द्रमा की परिक्रमा की। इसके बाद 24 Sept 2014 को मंगल ग्रह की परिक्रमा करने वाला मंगलयान भेजा। सफलतापूर्वक मंगलग्रह की कक्षा में प्रवेश किया और इस प्रकार भारत अपने पहले ही प्रयास में सफल होने वाला पहला राष्ट्र बना।

दुनिया के साथ ही एशिया में पहली बार अंतरिक्ष एजेंसी में एजेंसी को सफलतापूर्वक मंगल ग्रह की कक्षा तक पहुंचाने के लिए ISRO चीय एजेंसी पर रहा।

अविष्य की योजनाओं में शामिल GSLV, M.A.R. 111 के विकास PLV, एक पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान मानव अंतरिक्ष, अर्धचंद्र अन्वेषण ग्रह के बीच अन्य, एक सौर मिशन अंतरिक्ष यान के विकास आदि।

ISRO को शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए साल 2014 के इंदिरा गांधी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
मंगलयान के सफल प्रक्षेपण के लगभग एक वर्ष बाद इसने 29 Sept 2015 को एटमोसैट के रूप में भारत की पहली अंतरिक्ष वेधशाला स्थापित किया।

सम-सामयिकी [Current Affairs]

1. नवीन रोजगार द्वारी योजना किस राज्य के द्वारा शुरू की गई? — उत्तर प्रदेश

2. किस राज्य की पुलिस की 'महिला सुरक्षा विंग' द्वारा 'Cyber' अभियान शुरू किया गया?

— तिलाना
3. किस देश ने अपना पहला मार्स मिशन 'Hope' लॉन्च किया? — संयुक्त अरब अमीरात

4. विश्व शूटरज दिवस किस तिथि को मनाया जाता है? — 20 जुलाई

5. SBI के नए एमडी और सीईओ कौन हैं?
— अश्विनी कुमार तिवारी

6. फीफा विश्व कप 2022 किस देश में आयोजित किया जाएगा? — कतर

7. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम किस तिथि को मनाया जाता है? — 20 जुलाई

8. केंद्रीय उपभोक्ता मामले मंत्री कौन हैं?

— राम विलास पासवान
9. केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री कौन हैं? — डीए लखवर्न

[भारत के प्रमुख राष्ट्रीय पुरस्कार]

1. भारत रत्न (1954) :- भारत रत्न पुरस्कार की शुरुआत 1954 ई. में हुआ। यह भारत का सर्वोच्च सम्मान है। इसे कला, साहित्य, विज्ञान एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में अति विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है।

2. पद्मविभूषण पद्मभूषण ~~पद्मभूषण~~ :- यह पुरस्कार सरकारी कर्मचारियों द्वारा की गई सेवा हेत किसी भी क्षेत्र में की गई उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार की शुरुआत 1954 में हुआ।

3. रामेश्वर दास लिङ्गा पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1952 ई. में हुआ। यह पुरस्कार चिकित्सा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए दिया जाता है।

4. गणनागर पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1957 ई. में हुआ। यह पुरस्कार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान करने वाले युवा वैज्ञानिकों को प्रदान किया जाता है।

5. नेहरु एवं टागोर साक्षरता पुरस्कार :- यह दोनो पुरस्कार साक्षरता को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदान किया जाता है।

6. बोरलांग पुरस्कार :- यह पुरस्कार 1973 में कोरोमाडल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड द्वारा कृषि अनुसंधान क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने हेतु प्रदान किया जाता है।

7. अमनलाल वज्ज पुरस्कार :- यह पुरस्कार अमनलाल वज्ज फाउण्डेशन द्वारा रचनात्मक सामाजिक, ग्रामीण विकास कार्यक्रम एवं महिला व बच्चों के उत्थान के लिए दिया जाता है।

8. सूरिदेवी पुरस्कार :- यह पुरस्कार 1984 में भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा भारतीय जीवन के शाश्वत मूल्यों को आरने के लिए किहो भी भारतीय भाषा या अंग्रेजी में रचित साहित्य हेतु दिया जाता है।

9. दोनाचार्य पुरस्कार :- यह पुरस्कार 1985 ई० में केल विभाग, मानव संसाधन मंत्रालय ~~द्वारा~~ भारत सरकार द्वारा खेल प्रशिक्षकों द्वारा की गयी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रदान किया जाता है।

10. रावट्रीशु अंग पुरस्कार :- यह पुरस्कार अंग मंत्रालय द्वारा अमरल अमरजण, अमवार, अम श्री एवं अम देवी नामक पुरस्कार अमिको का प्रदान किया जाने वाले देश का सर्वोच्च अंग-पुरस्कार है।

11. अकादमी पुरस्कार :- यह पुरस्कार 1955 में साहित्य अकादमी सल्या द्वारा साहित्य अकादमी, लालित कला अकादमी एवं संगीत नाटक अकादमी द्वारा अपने सर्वोच्च कलाकारों का पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

12. भारतीय जानपीठ पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1965 में भारतीय जानपीठ सल्या द्वारा देश के किसी मान्यता प्राप्त किसी भी भारतीय भाषा में लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकार द्वारा किए गए उल्लेख योगदान हेतु प्रदान किया जाता है।

13. दादा साहेब फालके पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1970 ई. में सून्यता एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा भारतीय फिलमजगत के विकास में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कलाकारों को किया जाता है।

19. तानसेन संगीत सम्मान :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1980 में मह्य प्रवेश सरकार द्वारा शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु प्रदान किया जाता है।

20. इकबाल पुरस्कार :- यह पुरस्कार मह्य प्रवेश सरकार द्वारा साहित्य के क्षेत्र में योगदान के लिए दिया जाता है।

21. गिरी इंडिया :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1994 में भारत सरकार द्वारा भारतीय भुवनेश्वरों के शारीरिक एवं बौद्धिक शक्ति को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है।

22. अम्बेडकर पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1993 में हुका। सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्र में विशेषकर दलितों के उद्धार में विशेष भूमिका के लिए दिया जाता है।

23. पद्मश्री पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1983 में भारत सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों द्वारा की गयी किसी भी सेवा की उत्कृष्टता के लिए दिया जाता है।

24. परमवीर-चक्र :- यह प्रथम श्रेणी का पराक्रम पुरस्कार है यह थल, जल और वायु में वीरता और साहस के कार्यों के लिए दिया जाता है।

25. महावीर-चक्र :- यह द्वितीय श्रेणी का पराक्रम पुरस्कार है। यह भी वीरता और साहस के लिए दिया जाता है।

26. वीर-चक्र :- यह पुरस्कार भारत सरकार के रक्षामंत्रालय द्वारा यह तृतीय श्रेणी का पराक्रम पुरस्कार है जो वीरता और साहस के कार्यों के लिए दिया जाता है।

27. अशोकचक्र, कीर्ति-चक्र, शौर्य-चक्र :- यह पुरस्कार भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा थल, जल एवं नगरीय वीरता, साहस एवं आलवलिदान के लिए दिया जाता है।

28. जीवन रक्षक पदक :- यह पदक किसी को आग से जलने, पानी में डूबने से बचाने या बहादुरी द्वारा जान बचाने के लिए दिया जाता है।

29. सेना मेडल :- यह पुरस्कार भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा सेना के कर्मचारियों को साहसिक कार्य के लिए प्रदान किया जाता है।

30. लता मंगेशकर सम्मान :- यह सम्मान मह्य प्रदेश सरकार द्वारा 1980 ई. में श्रुतकाल दिया गया। सुगम संगीत के क्षेत्र में उल्लेख योगदान के लिए दिया जाता है।

31. तुलसी सम्मान :- यह सम्मान 1983 में मह्य प्रदेश सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर अनुजातीय लोक कला के विकास में उल्लेखनीय योगदान हेतु दिया जाता है।

32. वाचान्पाते पुरस्कार :- यह पुरस्कार 1992 ई. में के. के. विडला फाउंडेशन द्वारा संस्कृत साहित्य में विशिष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जाता है।

33. संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार :- यह पुरस्कार 1952 ई. में संगीत नाटक अकादमी द्वारा मूल्य एवं संगीत के क्षेत्र में विशेष योगदान, प्रदर्शन हेतु दिया जाता है।

[प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार]

1) नीबेल पुरस्कार : — इस पुरस्कार की शुरुआत 1901 में नीबेल फाउंडेशन (स्वीडन) के द्वारा शांति, साहित्य, अर्थशास्त्र, चिकित्सा, भौतिकी एवं रसायन शास्त्र के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि हेतु दिया जाता है।

2) मैग्सेसे पुरस्कार : — यह पुरस्कार 1957 में रेमन मैग्सेसे फाउंडेशन (फिलीपींस) द्वारा जन सेवा, सरकारी सेवा, पत्रकारिता व रचनात्मक जनसंचार, सामुदायिक सेवा एवं अंतर्राष्ट्रीय सहभाव के लिए प्रदान किया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय

3) जवाहर लाल नेहरू सद्भाव पुरस्कार : — यह पुरस्कार 1965 में भारतीय सांस्कृतिक सर्वोच्च परिषद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहभावना एवं मैत्री-वृद्धि के लिए किए गए विशिष्ट योगदान हेतु प्रदान किया जाता है।

4) इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय शांति, निरस्त्रीकरण एवं विकास पुरस्कार : — यह पुरस्कार 1986 में इंदिरा गांधी स्मारक निधि द्वारा अंतर्राष्ट्रीय शांति, निरस्त्रीकरण एवं विकास के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान हेतु प्रदान किया जाता है।

57. ऑस्कर पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1929 ई० में हुआ। यह पुरस्कार फिल्मों की विद्या में उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया जाता है।

67. बूकर पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1969 में बूकर मैकेनल एवं पावल से एसोसियन (ब्रिटेन) द्वारा अंग्रेजी में ब्रिटिश, आयरिश एवं कॉमनवेल्थ के लेखकों के सर्वश्रेष्ठ कृत्या-साहित्य हेतु प्रदान किया जाता है।

77. टायलर पुरस्कार :- यह पर्यावरण के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि हेतु प्रदान किया जाता है।

87. राइट लिवलीहुड पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1980 में राइट लिवलीहुड सोसाइटी (लंदन) द्वारा वैकल्पिक नोबेल पुरस्कार के रूप में, शब्दांत, जनश्रेता, सरकारी श्रेता, पर्यावरण, समाजिक ब्याप के क्षेत्र में शराहनीय योगदान के लिए प्रदान किया जाता है।

9) युनेस्को शांति पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1989 में युनेस्को (UNESCO) द्वारा लिटिल नोबेल पुरस्कार के रूप में रूपांतरित; अंतर्राष्ट्रीय शांति की विषयों में विशिष्ट प्रयास हेतु प्रदान किया जाता है।

10) मिस वर्ल्ड :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1951 में मिस वर्ल्ड इन्कॉर्पोरेशन, लंदन द्वारा विश्व के विभिन्न देशों की सुन्दरियों में सर्वश्रेष्ठ बहुमुखी व्यक्तियों का चयन हेतु प्रदान किया जाता है।

11) मिस यूनिवर्स :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1952 में मिस यूनिवर्स इन्कॉर्पोरेशन, न्यूयार्क द्वारा विश्व के विभिन्न देशों की सुन्दरियों में सर्वश्रेष्ठ बहुमुखी व्यक्तियों का चयन हेतु प्रदान किया जाता है।

12) पुलिटजर पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत पुलिटजर पुरस्कार बोर्ड, कोलम्बिया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा पत्रकारिता, साहित्य एवं संगीत की विभिन्न विधाओं में अमेरिकियों द्वारा विशिष्ट योगदान हेतु दिया जाता है।

13) हेमपल्लव पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1972 में हेमपल्लव फाउंडेशन द्वारा धर्म की उन्नति के क्षेत्र में सराहनीय प्रयास हेतु दिया जाता है।

14) कलिंग पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1952 में युनेस्को के तत्वाधान में कलिंग फाउंडेशन द्वारा विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए योगदान हेतु दिया जाता है।

15) संयुक्त राष्ट्रजनसंख्या पुरस्कार :- यह पुरस्कार 1983 में पॉपुलेशन कौंसिल-न्यूयॉर्क द्वारा परिवार नियोजन के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान हेतु दिया जाता है।

16) ग्रैमी पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1958 में नेशनल अकादमी फॉर रिकॉर्डिंग आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा पार्श्व गायिका की विभिन्न विधाओं में विशिष्ट योगदान हेतु दिया जाता है।

17) गोल्डेन ग्लोब पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1943 में हॉलीवुड फॉरेन प्रेस एसोसिएशन एलिसिएशन द्वारा वर्ष में फिल्मों की प्रत्येक विधा में उल्लेख के लिए दिया जाता है।

18. काउन्सिलिंग पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत UNICEF (युनेस्को) द्वारा विद्यालयों में विज्ञान के पाठ को लोकप्रिय बनाने की दिशा में विशेष ~~सम~~ योगदान हेतु दिया जाता है।

19. गील्डगेन पर्यावरण पुरस्कार :- इस पुरस्कार की शुरुआत 1989 में गील्डगेन फाउंडेशन संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान हेतु दिया जाता है।

20. गील्डगेन लीपर पुरस्कार :- इस ~~पुरस्कार~~ पुरस्कार की शुरुआत बर्लिन ~~संस्था~~ अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह संस्था द्वारा समारोह में प्रदर्शित फिल्मों की प्रत्येक विधा में उत्कृष्टता के लिए दिया जाता है।

[वैज्ञानिक कारक एवं वैज्ञानिक शब्दावली में अंतर]

1. सदिश एवं असदिश राशियों में अंतर क्या है?

ANS: - सदिश (Vector) :- जिस राशि को पूर्ण रूप से व्यक्त करने के लिए परिमाण और दिशा दोनों की जरूरत होती है उस राशि को सदिश राशि या सदिश (Vector) कहते हैं।

उदाहरण - विस्थापन, वेग, त्वरण, बल, संवेग, आवेग, बल आघात आदि।

असदिश (Scalar) :- जिस राशि को पूर्ण रूप से व्यक्त करने के लिए सिर्फ परिमाण की आवश्यकता होती है, उस राशि को असदिश राशि या सिर्फ असदिश (Scalar) कहते हैं।

उदाहरण :- दूरी, ताप, द्रव्यमान, क्षेत्रफल, आयतन, घनत्व, समय, ऊर्जा, कार्य शक्ति, विद्युत आवेश आदि।

2. कार्बन ब्लैक एवं गैस कार्बन क्या हैं?

उत्तर :- कार्बन ब्लैक :- कार्बन ब्लैक अंधेरे और सबसे व्यापक रूप से प्रसारित सामग्री में से एक है। रासायनिक रूप से कार्बन ब्लैक में निम्न कार्बन का एक कोलाइडियल रूप है जिसमें 95 से 99% कार्बन है। विशोव रूप से तैयार रिफायरों में निर्मित, 2600 डिग्री से

36000 डिग्री कार्बन हाइट में आंतरिक तापमान पर काम कर रहा है, कार्बन ब्लॉक के विभिन्न शेड अलग-अलग आकार और संरचना के कोर साथ पैक किए जा सकते हैं। यह अप्रत्याशित उप-उत्पाद सूट नहीं है, जो निम्नीयता विकास से जाना जाता है। कार्बन ब्लॉक एक औद्योगिक उत्पादित कच्चा माल है जिसमें स्पष्ट परिभाषित गुण हैं, जैसे प्राथमिक कोर आकार, सतह और संरचना। कार्बन ब्लॉक हार्ड-टेक उत्पाद है जिसे परिभाषित पैरामीटर प्रोपर्टी के साथ प्रतिलिपि प्रस्तुत करने योग्य बनाया जाता है।

कार्बन - ब्लॉक आमतौर पर ऑक्सीजन, हाइड्रोजन और नाइट्रोजन की न्यूनतम मात्रा वाले 95% शुद्ध कार्बन से अधिक है।

कार्बन ब्लॉक की विशेषताओं मुख्य रूप से विनिर्माण प्रक्रिया / विषय पर निर्भर करती हैं, इसलिए कार्बन ब्लॉक की विनिर्माण प्रक्रिया द्वारा वर्गीकृत किया जाता है।

गैस कार्बन (Gas Carbon) - गैस कार्बन (Gas Carbon) एक कार्बन है जो कोयले के विनाशकारी आसवन के लिए प्राप्त किया जाता है। या जब एक बंद कंटेनर में उच्च तापमान पर पेट्रोलियम उत्पादों के गर्म

किया जाता है। यह एक कार्बन, गैस कार्बन को रखने वाले कंटेनर की दीवारों पर जमा एक ठोस, अनाकार ग्रे ठोस के रूप में प्रकट होता है। यह ग्रीफाइट की तरह ही ऊष्मा और विद्युत विद्युत का सुचालक भी है। एल्यूमिनियम में बैटरी प्लेट, आर्क लैंप और कोयला गैस शामिल है।

3. बुझा चूना एवं सोडा चूना में क्या अंतर है।
 उत्तर :- बुझा हुआ चूने में कैल्सियम की मात्रा अधिक और अम्ल में अविलेय पदार्थ 6% के लगभग रहता है। कैल्सियम 2.43% और ऑक्सीजन 28.57% रहते हैं।
 चूना पत्थर, खण्डिका या सीप को जलाकर यह चूना बनाया जाता है। यह पानी से जमता नहीं है। इस प्रकार प्रस्तुत चूना सफेद, अमणिभीय होता है पानी में बुझा जाने पर फूटता नहीं, केवल फूलता और चुर-चुर हो जाता है खाद्य ही पर्याप्त मात्रा में उबका देता है ऐसा बुझा हुआ चूना जलीयित या बुझा चूना कहलाता है।

सोडा चूना :- सोडा चूना का उपयोग अपमार्जक (Detergent) के रूप में किया है।

1. साबुन बनाने में
2. पेट्रोलियम साफ करने में
3. कपड़ा एवं कागज बनाने में
4. कारखानों की साफ करने में

(4) प्रश्न: परमाणु क्रमांक एवं परमाणु भार में क्या अंतर है?

उत्तर:— परमाणु क्रमांक :- (Atomic number) :- किसी तत्व के परमाणु के नाभिक में उपस्थित प्रोटॉनों की संख्या को परमाणु क्रमांक कहते हैं।

परमाणु भार :- (Atomic weight) :- किसी तत्व का परमाणु-भार वह संख्या है, जो यह प्रदर्शित करता है कि तत्व का एक परमाणु, कार्बन-12 के परमाणु के $\frac{1}{12}$ भाग द्रव्यमान अथवा हाइड्रोजन के 1.008 भाग द्रव्यमान से कितना गुणा भारी है।

(5) प्रश्न: अम्ल एवं क्षार में क्या अंतर है?

उत्तर:— अम्ल (Acid) :- अम्ल वह पदार्थ है, जिसका स्वाद खट्टा होता है तथा अम्ल का अल्कीय विलयन नीले लिटमस पत्र को लाल कर देता है।

अम्ल का उपयोग :-
i. खाने के काम में
ii. खाना पचाने में सटा अम्ल का उपयोग करते हैं।

iii. नाइट्रिक अम्ल का प्रयोग सोना एवं चाँदी के शुद्धीकरण में किया जाता है।

iv. लोहा पर अम्लों की परत चढ़ाने के पहले लोहा को साफ करने में H_2SO_4 एवं HNO_3 का प्रयोग किया जाता है।

झार :- वैसा गरम औं जल में विलेय है
झार कुहलाता है यह लाल निरुमस
पत्र को नीला कर देता है तथा खाद
में कड़वा होता है।

औंसे - पोटैशियम हाइड्रोक्साइड (KOH)
सोडियम हाइड्रोक्साइड (NaOH)

उपयोग :- 1. साबुन बनाने में,

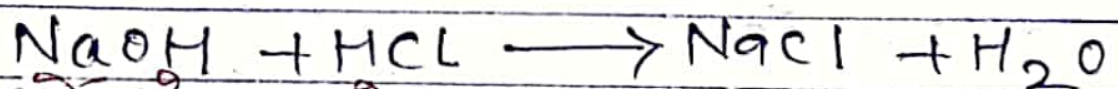
II. पेट्रोलियम शफ करने में,

III. दवा बनाने में

IV. कपड़ा एवं कागज बनाने में

(6) प्रश्न :- लवण और उत्प्रेरक क्या हैं?

उत्तर :- लवण (Salt) :- अम्ल एवं गरम
की प्रतिक्रिया के फलस्वरूप लवण एवं
जल का निर्माण होता है वह लवण कहलाता
है।



लवणों के उपयोग :-

I. साधारण नमक (NaCl) :- खाने के लप में एवं
आचार के परिक्षण में उपयोग किया जाता है।

II. खाने का सोडा (सोडियम बाइकार्बोनेट (NaHCO₃))
:- पेट की अकृणीयता को दूर करने में,
अग्निशामक यन्त्रों में

III. कार्बिक सोडा / सोडियम हाइड्रोक्साइड (NaOH)
:- अपमाजक का चूना बनाने में

उत्प्रेरक (Catalysis) :- जब कोई बाहरी पदार्थ किसी प्रतिक्रिया की गति को अधिक अथवा कम करती है, तो यह प्रक्रिया उत्प्रेरण कहलाती है तथा वह बाहरी पदार्थ उत्प्रेरक कहलाता है।
जैसे :- शर्करा और नमक के मिश्रण को इथाइल अल्कोहल में 348° ताप पर गर्म कर इस विधि द्वारा भलग किया जाता है।